IkkURkh; i:th;u dk ikFkuk i=
:Ik i=&14

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम 1948) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश 2002 का नियम 54 देखिये उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम 1948) धारा 8–क के अधीन रजिस्ट्रे ान/रजिस्ट्रे ान के नवीनीकरण के लिये प्रार्थना–पत्र

सेवा में,

असिस्टैंट कमि नर,
व्यापार–कर
सर्किल——————

प्रार्थना–पत्र संख्या | | | | |

प्रार्थना–पत्र का दिनांक | | | | | | |

मैं (पूरा नाम)——————————————————————————
आत्मज (पूरा नाम)——————————————————————————
फर्म————————————————————————————————
का स्वामी/साझेदार/संयुक्त हिन्दू परिवार का कर्ता/लिमिटेड कम्पनी का प्रबन्ध संचालक अथवा,उसके संचालक बोर्ड द्वारा प्राधिकृत संचालक/सोसायटी, क्लब या एसोसिय ान का अध्यक्ष या सचिव/केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के——————विभाग में कार्यालय का या कार्यालय के अध्यक्ष द्वारा यथाविधि प्राधिकृत अधिकारी /व्यापारी/प्राधिकरण या निकाय के मुख्य अधिकारी या मुख्य अधिकारी द्वारा यथाविधि प्राधिकृत अधिकारी, जो सर्वश्री————————————————के नाम और उपाधि (स्टाइल) से व्यापार करता हूँ, और जिसके व्यापार का मुख्य स्थान————————————————(मकान संख्या, सड़क, मार्ग बाजार आदि के नाम सहित (पूरा पता) डाकखाना————————————————————
तहसील——————————————जिला————————————————————
के अर्न्तगत आपके अधिकार क्षेत्र में स्थित है, एतद्द्वारा उपर्युक्त व्यापार के मुख्य स्थान और डिपो एवं ााखाओं सहित,व्यापार के समस्त अन्य स्थानों का वर्श 200——— के निमित उतर प्रदे ा व्यापार कर ऐक्ट 1948 ई0 (यथा उत्तरांचल में लागू) की धारा 8क के अधीन रजिस्ट्रेशन के नवीनीकरण के लिये प्रार्थना–पत्र देता हूँ । मैं इस प्रयोजन के लिये निम्नलिखित ब्योरे प्रस्तुत करता हूँ:–

1– व्यापार के मुख्य स्थान के सिवाय अन्य समस्त व्यापारिक स्थानों का जिसके अन्तर्गत डिपों तथा ााखायें भी है, नाम और पता –

(1)
(2)
(3)

2–व्यापारी की प्रास्थिति –(केवल संगत कालम पर सही (✓) का नि ाान लगाये)

वैयक्तिक	संयुक्त हिन्दू परिवार	साझेदारी फर्म	सोसायटी	क्लब	एसोसियशन

कार्पोरेशन पब्लिक सेक्टर	पब्लिक लिमिटेड कम्पनी	प्राइवेट लि0कम्पनी	सरकारी विभाग

3– पंजीयन का प्रकार | अस्थायी | स्थायी |

4– जिस व्यापार के सम्बन्ध में प्रार्थना–पत्र दिया जाय उसे आरम्भ करने का दिनॉक

5– संग्रहागारों,गोदामों,फैक्टरियों तथा कारखानों (वर्क ााप) इत्यादि की पूर्ण सूची और स्थिति –

कम संख्या	सड़क,मार्ग,गांव,टाउन,डाकखाना, तहसील,जिला इत्यादि का नाम, तथा मकान संख्या सहित पूरा पता	स्तम्भ 2 में उल्लिखित भू–गृहादि के स्वामी का नाम और पता(उन्ही ब्योरे के साथ जैसा कि स्तम्भ 2 में उल्लिखित है)	अभ्युक्ति
1	2	3	4

6— मुख्य कार्यालय का पूरा पता यदि उत्तरांचल के बाहर स्थित हो ——

7— माल का ब्योरा जिनका व्यापार होता हो:

क्रम संख्या	वस्तु का विवरण	वस्तु की कोड संख्या	आयातकर्ता	भारत के बाहर निर्यात	थोक	फुटकर	विक्रेता आढ़ती	क्रेता आढ़ती	उत्पादक	प्रोसेसर	निर्माता	अन्य

8— स्वामियों/खातेदारों/संयुक्त हिन्दु कुटुम्ब के सदस्य तथा कर्ता/अन्य व्यक्ति जिनका व्यापार में हित हो, विवरण का ब्योरे (रूप – पत्र 'क' में प्रस्तुत किया जाएगा)

9— व्यापार में वस्तुतः लगायी गयी पूंजी की कुल धनराशि——

10— इस प्रार्थना–पत्र मे ऊपर उल्लिखित व्यापार से भिन्न व्यापार के ब्योरे जिसमें स्वामी/साझेदार/संयुक्त हिन्दु कुटुम्ब के सदस्यों तथा कर्ता/क्लब, सोसाइटी या एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव और सदस्य का कोई हित इस समय हो या पहले था जिनके अन्तर्गत वे व्यापार भी है जिनके लिए कर भुगतान करने का दायित्व उनके द्वारा इस व्यापार को, जिसके लिए यह प्रार्थना–पत्र दिया जा रहा है, प्रारम्भ करने या इसमें सम्मिलित होने के पश्चात समाप्त हो गया हो। रूप – पत्र 'ख' में प्रस्तुत किया जाएगा

11— समस्त ऐसी अचल सम्पत्तियों के ब्योरे जो फर्म के स्वामी /साझेदारों/संयुक्त हिन्दु कुटुम्ब के सदस्य या कर्ता/सोसाइटी, क्लब या एसोसिएशन के सदस्य के स्वामित्वाधीन हो या उसमें उनका हित हो (किसी लिमिटेड कम्पनी की दशा में प्रस्तुत नही किया जाएगा) :–

व्यक्तियों के नाम जिनका व्यापार में हित हो	सम्पत्ति का ब्योरा जो स्तम्भ 1 मे नामित व्यक्ति के स्वामित्व में हो या जिसमें उसका कोई हित हो	सम्पत्ति की स्थिति मकान, संख्या, खाता संख्या, खसरा संख्या, सड़क मोहल्ला, ग्राम, टाउन, डाकखाना, जिला इत्यादि	सम्पत्ति में धृत हित का प्रकार और सीमा	ऐसे हित का अनुमानित मूल्य
1	2	3	4	5

12— (1) साधारण रूप से रखी जाने वाली लेखा—बहियों का नाम————————————————————

(2) ऐसे स्थानों का पूरा पता जहां————————————————

(क) उस वर्ष जिसके लिये यह प्रार्थना—पत्र दिया जा रहा हो:

(ख) कर—निर्धारण वर्ष के ठीक पूर्व वर्ष:

(ग) अन्य वर्षो

की लेखा—बहियों जहां साधारणतः रखी जाती हों/रखी जायेंगी।

13— लेखों के प्रयोजन के लिए मेरा / हमारा वर्ष ——————————से—————————— तक होता है।

14— भाषा तथा लिपि जिसमें लेखे रखे जाते हों————————————————————————————————

15— बैंकों के ब्योरे जिनके माध्यम से साधारणतया लेन—देन किया जाता हो या जिसमें लेखा रखा जाता हो——————

(1) बैंक / बैंकों के नाम ——

(2) नाम जिसमें लेखा/लेखे खोला गया हो/खोले गए हों————————————————————————

(3) लेखा का / लेखों के प्रकार——————————————————————————————————————

16— उन कर निर्धारण वर्ष का, जिसके लिए रजिस्ट्रेशन अपेक्षित हो, संभावित विक्रय—धन——————————————
——

17— रजिस्ट्रेशन शुल्क / शास्ति के निमित्त 10 रुपये या 15 रुपये या 20 रुपये का——————————————————
खजाना चालान संख्या————————————————दिनॉक ———————— चेक संख्या——————————
दिनॉक ————————————————————————(बैंक का नाम)———————————————— संलग्न है।

संलग्न उपर्युक्त के अनुसार

IR;kiu

मैं एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि जहां तक मेरी जानकारी तथा विश्वास है इस प्रार्थना—पत्र में दिये गये ब्योरे सत्य और पूर्ण है।

स्थान———————————————

दिनॉक——————————————— प्रार्थी के हस्ताक्षर

व्यापारी के सम्बन्ध में प्रास्थिति

स्थायी पता—————————————

प्रमाणित करने वाला साक्षी

हस्ताक्षर——————————————

नाम———————————————

पितृनाम——————————————

पूरा पता——————————————

¼dsoy lk>snkjh QeZ ds lEcU/k esa fn;k tk;sxk½

मैं/हम उपर्युक्त फर्म का / के साझेदार एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने उपर्युक्त ब्योरा / ब्योरे पढ़ लिया / लिए हैं और एतद्द्वारा सत्यापित करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी जानकारी तथा विश्वास में सत्य और पूर्ण हैं और किन्हीं भी सारवान ब्योरे को छिपाया नहीं गया है।

साझेदारों के हस्ताक्षर—

1———————————————

2———————————————

3———————————————

टिप्पणी—(1) उपर्युक्त में, जो भी लागू न हो उसे काट दिया जाय।

(2) प्रार्थी के हस्ताक्षर का सत्यापन ऐसे किसी वकील अथवा किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाना चाहिए जिसे असिस्टेंट कमिश्नर व्यापार—कर जानता हो।

(3) इस रूप—पत्र में हस्ताक्षर के सत्यापन का आवश्यक परिर्वतनों के साथ वही अर्थ होगा जो सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 की धारा—3 में दिया गया है।

: Ik & i= 14&d

¼:Ik i=&14 dh en 8 nf[k;½

क्रम संख्या	व्यापार में हितबद्ध व्यक्ति का नाम	आयु	पिता / पति का नाम	वर्तमान पता (मकान सं0,सड़क, मोहल्ला, ग्राम, डाकखाना, टाउन, जिला इत्यादि सहित)	स्थायी पता स्तम्भ 5 के ब्यौरे के अनुसार	हित का प्रकार और उसकी सीमा	स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों के हस्ताक्षर	स्तम्भ 2 मं उल्लिखित व्यक्ति के हस्ताक्षर प्रमाणित करने वाले साक्षी का हस्ताक्षर और पता			
								हस्ताक्षर	नाम	पितृनाम	स्तम्भ 5 के अनुसार पूरे ब्यौरों सहित पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

टिप्पणी–(1) हस्ताक्षरों का सत्यापन किसी वकील या ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जायेगा जिसे असिस्टैंट कमिश्नर, व्यापार कर जानता हो।

(2) उस रूप–पत्र में हस्ताक्षरों के सत्यापन का वही अर्थ होगा जो कि सम्पति अन्तरण अधिनियम, 1982 की धारा–3 में दिया गया हो।

(3) किसी लिमिटेड कम्पनी की दशा में प्रस्तुत नहीं किया जायेगा।

: i&i= & 14&[k

¼:i&i= 14 dh en 10 nf[k,½

क्रम संख्या	व्यापार में हितबद्ध व्यक्ति का नाम	ऐसे व्यापार के मुख्य स्थान का नाम तथा उपाधि जिसमें स्तम्भ 2 में नामित व्यक्ति का कोई हित हो /था	स्तम्भ 3 में उल्लिखित व्यापार के मुख्य स्थान, का पूरा पता	स्तम्भ 2 में नामित व्यक्ति के हित का प्रकार और सीमा	स्तम्भ 3 में नामित व्यापार के लिए कर का, यदि कोई हो भुगतान करने के दायित्व, के अन्त या समाप्ति का दिनॉक	उत्तरांचल व्यापार कर रजिस्ट्रेशन संख्या, यदि कोई हो	व्यापार का प्रकार (वस्तुएं जिनका व्यापार हो)	क्या वह थोक व्यापारी, फुटकर व्यापारी, निर्माता, आढ़ती आदि	पिछले कर–निर्धारण वर्ष का सम्पूर्ण विक्रय धन	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

वर्ष ————————

विक्रय–पत्र ————————

———————————————————————————————————

टिप्पणी– किसी लिमिटेड कम्पनी की दशा में प्रस्तुत नहीं किया जाएगा।